कमजोर मॉनसून से शुगर प्रॉडक्शन में 10 लाख टन कमी के आसार

[पीटीआई | नई दिल्ली]

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने सोमवार को शुगर प्रॉडक्शन एस्टिमेट्स को रिवाइज कर दिया। इस्मा ने अगले महीने से शुरू होने वाले मार्केटिंग ईयर के लिए प्रॉडक्शन का अनुमान 10 लाख टन घटाकर करीब 2.7 करोड़ टन कर दिया। महाराष्ट्र और कर्नाटक में कमजोर मॉनसून के कारण उत्पादन अनुमान को संशोधित किया गया। इस्मा ने जुलाई में अनुमान जताया था कि अगले मार्केटिंग ईयर (अक्टूबर-सितंबर) 2015-16 में भारत में शुगर प्रोडक्शन करीब 2.8 करोड़ टन का होगा।

प्रॉडक्शन एस्टिमेट्स घटाए जाने के बावजूद देश का चीनी उत्पादन लगातार छठवें साल डोमेस्टिक डिमांड से कहीं ज्यादा होगा। इस्मा ने एक बयान में कहा, 'जुलाई में दक्षिणी पश्चिमी मॉनसून और अगस्त में महाराष्ट्र, कर्नाटक में कमजोर बारिश को देखते हुए इस्मा ने 2015-16 सीजन के लिए अपने अनुमानित शुगर प्रोडक्शन को रिवाइज कर करीब 2.7 करोड़ टन कर दिया है।' मार्केटिंग ईयर 2014-15 के लिए प्रोडक्शन 2.83 करोड़ टन रहने का अनुमान है। वहीं, घरेलू खपत और एक्सपोर्ट क्रमशः 2.51 करोड़ टन और 11 लाख टन रहने का अनुमान है, जिससे 96 लाख टन का क्लोजिंग स्टॉक बना हुआ है।

2.7 करोड़ टन होगा प्रॉडक्शन!

- **इस्मा ने** अगले महीने से शुरू होने वाले मार्केटिंग ईयर के लिए प्रॉडक्शन का अनुमान घटाकर करीब 2.7 करोड़ टन कर दिया
- **प्रॉडक्शन एस्टिमेट** घटाए जाने के बावजूद देश का चीनी उत्पादन लगातार छठवें साल डोमेस्टिक डिमांड से कहीं ज्यादा होगा

इस्मा ने अपने बयान में कहा है, 'सितंबर 2015 की सैटेलाइट इमेज के आधार पर एस्मा ने 52.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की पैदावार का अनुमान लगाया था, जो कि 2014-15 शुगर सीजन से महज 0.4 फीसदी कम है।' वहीं, राज्यों के आधार पर इस्मा ने महाराष्ट्र में शुगर प्रोडक्शन को घटाकर 90 लाख टन कर दिया है, जबकि जुलाई में 97 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान जताया था। मार्केटिंग ईयर 2014-15 में महाराष्ट्र में 1.05 करोड़ टन चीनी प्रोडक्शन का अनुमान है।

वहीं, 2015-16 के दौरान उत्तर प्रदेश में प्रोडक्शन एस्टिमेस्ट को 73.5 लाख टन से रिवाइज्ड करके 75 लाख टन कर दिया गया है। मौजूदा मार्केटिंग ईयर के दौरान राज्य में 71 लाख टन का शुगर प्रोडक्शन हुआ है। इस्मा कहा है, '2015-16 मार्केटिंग ईयर के दौरान कर्नाटक में गन्ना के पैदावार क्षेत्र में मामूली इजाफा हुआ है। हालांकि, उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में अस्थिर मॉनसून को देखते हुए पैदावार कमजोर रहने की उम्मीद है। हमारा अनुमान है कि कर्नाटक में मिलें करीब 46 लाख टन चीनी का प्रोडक्शन करेंगी।' वहीं, तमिलनाडु में करीब 13.5 लाख टन शुगर प्रोडक्शन का अनुमान है।